कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) ....

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ....

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम — हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☐

विषय ....गृह विज्ञान....

परीक्षा का दिन ....शुक्रवार....

दिनांक ....29-03-2019....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ....

संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 165/2019

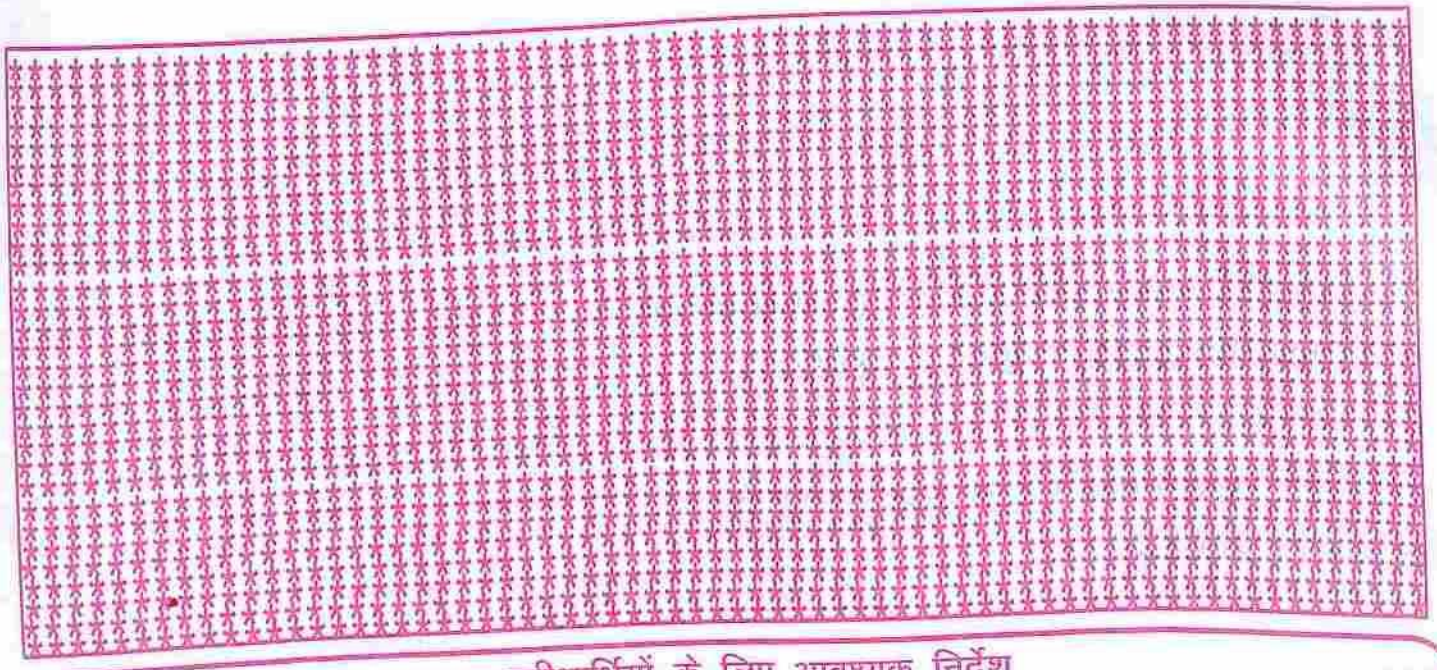

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाडें नहीं। उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस-पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र(4)

उत्तर ⇒ आहार आयोजन ⇒
आहार आयोजन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा परिवार के सभी सदस्यो की पोषणिक आवश्यक्ता उपलब्ध कराई जाती है अथवा उनकी रुची के अनुसार पौष्टिक तत्व समायोजित करना आहार आयोजन कहलाता है।

उत्तर (6) संदर्भ इकाई ⇒
संदर्भ इकाई से तात्पर्य उस कम से कम मात्रा से है जो हमे भोज्य पदार्थ बनाने के लिए चाहिए।

उत्तर (7) गर्भावस्था की समयावधि 9 माह 7 दिन अथवा 40 सप्ताह है।

उत्तर (9) (i) तैयार पोषाक को खरीदने के लिए पहला आधार आय है।
(ii) दुसरा आधार समय शक्ति की बचता है

उत्तर (10) वस्त्र संग्रहण करते समय नेप्थलीन की गोलियों का इस्तेमाल करना चाहिए।

उत्तर (11) वास्तविक आय ⇒
वास्तविक आय से तात्पर्य किसी निश्चित अवधि मे ~~प्राप्त~~ कि गई धनराशि होती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(12) उत्तर विनियोग ⇒ विनियोग का सामान्य अर्थ आय मे वृद्धि करना होता है अथवा विनियोग वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अपनी आय को किसी भी व्यापार आदि मे खर्च करके लाभ कमाना हि विनियोग कहलाता है।

उत्तर (13) उपभोक्ता ⇒ उपभोकता वह होता है जो किसी भी वस्तु को खरिदकर उस वस्तु का उभा उपभोग करता है। उपभोक्ता कहलाता है।

उत्तर (5) पीने योग्य जल की मानक सीमा 5.5 से 8.5 है।

उत्तर (1) एड्स एक लायलाज बीमार है जो HIV वायरस के कारण फैलती है।

एड्स ⇒ ~~[illegible]~~ ह्युमिनो इमिनो डिफिसियन्सी ~~[illegible]~~ एक्वायर्ड

एड्स यौन संबधि बिमारी है जो यौन संबध के कारण फैलती है।

(8) उत्तर ⇒ ब्रेड टेंसन डिवाइस एक गोल्फ रोड की तरह होती है जो सिलाई करते समय उसे उपर उठाया जाता है तथा निचे किया

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

जाता है। इसे रोड भी कहते है जो गोल रोड की तरह होती है।

(15)
उत्तर ⇒ संवेगात्मक अस्थिरता किशोरो में अधिक पाई जाती है संवेगात्मक अस्थिरता किशोरो में किशोरो के संवेग तीव्र और ~~अस्थि~~ अस्थिर होते है।

(2)
उत्तर ⇒ किशोर के जीवन में कैरियर का चुनाव करना सर्वाधिक कठिन होता है।

(16)
उत्तर ⇒ HIV निम्न कारणो से नही फैलता है।
(i.) यौन संबध के समय निरोध कन्डोम का उपयोग करने से नहीफैलता है।
(ii) एक व्यक्ति के साथ यौन संबध बनाने से नही फैलता है।
(iii) जाँच किया गया रक्त के उपयोग से नही फैलता है।
(iv) निसंक्रमित सुई व सिरिज के उपयोग से नही फैलता है।

(17)
उत्तर ⇒ किशोर के द्वारा व्यवसाय चयन को प्रभावित करने वाले चार कारक निम्न है-
(i) विद्यालय ⇒ किशोरो के व्यवसाय चयन को

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

विधालय भी प्रभावित करते है क्योंकि बचपन मे किशोरो को विधालय मे उनके व्यवसाय चयन कि शिक्षा बडे अधिकारी, साक्षात्कार आदी के द्वारा दि जाता है।

(II) माता-पिता ⇒ किशोरो व्यवसाय को माता-पिता भी प्रभावित करते है क्योकि वे बचपन से हि उनके गुर सिख लेते है जो किसी के माता-पिता अध्यापक है तो उसका पुत्र या पुत्री भी अध्यापक बनना चाहिए जैसे किसी के डॉक्टर है तो वो भी डॉक्टर हो

(III) प्रतिष्ठा ⇒ प्रतिष्ठा भी किशोरो के व्यवसाय को प्रभावित करते है क्योकी कोई किशोर ऊपरी चमक दमक को देखकर कैरियर का चुनाव कर लेता है जो उनके लिए कभी कभी घातक भी होता है।

(IV) मीडिया या अन्तराष्ट्रीय वृत्ति ⇒ किशोरो के व्यवसाय को मिडिया तथा अन्तराष्ट्रीय वृत्ति भी सबसे अधिक प्रभावित करता है किशोर मिडिया; टी.वी. मोबाइल आदि मे व्यवसाय के बारे मे जानकारी प्राप्त करके वह अपने व्यवसाय का चुनाव कर लेते है

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(15)

उत्तर ⇒ वृद्धावस्था की चार समस्याएं निम्न हैं

(i) वृद्धावस्था में नाड़ी संस्थान कमजोर हो जाता है जो उसके सुनने, सुघने, स्वादशक्ति में कमी आ जाती है।

(ii) वृद्धावस्था में पाचन संबंधि समस्या बनी रहती है जो उसे हल्का भोजन प्रदान करना चाहिए।

(iii) वृद्धावस्था में वृद्ध सेवानिवृत्ति हो जाती है जिससे वह एकाकीपन महसूस करता है।

(iv) वृद्धावस्था में काम शक्ति क्षीण हो जाती है।

(14)

उत्तर ⇒ किशोरा अवस्था को तुफान और तनाव की अवस्था भी कहते है। क्योंकि किशोरावस्था में किशोरो के शरीर में तेजी से होती है। और किशोरावस्था में किशोर संवेग तीव्र क्षणिक और अनियंत्रित होती है। किशोरावस्था में किशोर स्वयं पर नियंत्रण नही रख पाता है वह कई बार अपने परिवार वालो के साथ संघर्ष करता है और कुछ कई बार अपने विद्यालय गुरुजनो के साथ गलत व्यवहार करता है किशोरावस्था को संक्रमणकाल की अवस्था भी कहते है जिसमे न किशोर किशोर रहता है नही प्रौढ़ इसलिए इसे तुफान और तनाव की आयु कहते

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(19)
उत्तर ⇒ धात्री महिला हेतु आहार आयोजन करते समय निम्न बातो का ध्यान रखेगे –
(i) धात्री महिला को पोष्टिक आहार देना चाहिए जिसमे सभी प्रकार के तत्व समाहित हो।
(ii) धात्री महिला को उच्च प्रोटिन विटामिन आदी की आवश्यकता होती है।
(iii) धात्री महिला को आयरन की कमी इस अवस्था मे नही होती है क्योकि इस अवस्था मे धात्री महिला मे मासिक स्त्राव बन्द हो जाता है।
(iv) धात्री महिला को भरपुर मात्रा मे प्रोटिन, विटामिन कैल्शियम आदि देना चाहिए और इस अवस्था मे धात्री महिला को ऊर्जा की मांग भी अधिक होती है जो शिशु के लिए उपयोगी होता है।

(22)
उत्तर ⇒ शिक्षित उपभोक्ता की दो विशेषता –
(i) शिक्षित उपभोक्ता कभी भी प्रचार प्रसार के चक्कर मे न पडकर वह समझदार से वस्तु का क्रय करता है
(ii) शिक्षित उपभोक्ता वस्तु पर लगे लेबल को देखकर वस्तु की जानकारी प्राप्त करके वस्तु का क्रय करता है तथा वह वस्तु का बिल अवश्य लेता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(23)
उत्तर ⇒ हम हमारे परिवार में आय में वृद्धि निम्न तरीको से कर सकते है -
हम हमारे परिवार में बजट बनाकर आय में वृद्धि कर सकते है बजट बनाने से हमे सम्पूर्ण परिवार की आय का पता चल जाता है हम हमारे परिवार की आय को बैंक में जमा करके ब्याज से वृद्धि कर सकते है क्योंकि बैंक द्वारा आय जमा होने पर ब्याज मिलता है और हम हमारे परिवार की आय का विनियोग करके आय में वृद्धि कर सकते है जैसे छोटा बड़ा उद्योग खोलना आदि द्वारा आय में वृद्धि कर सकते है।

(21)
उत्तर ⇒ सिलाई मशीन के दो पुरजे निम्न है -

(i) बॉबीन

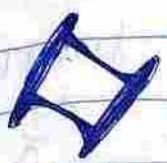

(ii) सुई

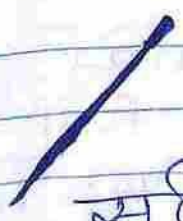

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी द्वारा

(25) आहार आयोजन को प्रभावित करने वाले छः कारक -

(i) विविधता (ii) आहार समय (iii) आय (iv) समय (v) पसंद ना पसंद (vi) भोजन की स्वीकार्यता

(i) विविधता ⇒

विविधता भी आहार आयोजन को प्रभावित करती है आहार में परिवर्तन करके विविधता लाई जा सकती है जैसे तलकर, भूनकर आदि।

(ii) आहार समय ⇒

भोजन करते समय दो भोजनों के बीच के समय अन्तराल का विशेष ध्यान रखना चाहिए। जल्दी भोजन करने वालों के लिए हल्का नाश्ता तथा देर से भोजन करने वालों के लिए भारी नाश्ता लेना चाहिए।

(iii) आय ⇒

आय भी आहार आयोजन को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है जिस परिवार वालों की अधिक आय हो तो उन्हें अंडा, मास, घी, आदि का अधिक सेवन करने तथा कम आय वाले अंडा मास की बजाय मौसमी फलों, सब्जी आदि का प्रयोग करना चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(iv) पसंद ना पसंद ⇒ पसंद ना पसंद भी आहार आयोजन को प्रभावित करने वाला एक कारक माना जाता है किसी को अधिक पानी वाली दाल पसंद है तो किसी कम पानी वाली होती है।

(v) भोजन की स्वीकार्यता ⇒ यह एक महत्वपूर्ण तत्व माना जाता है जैसे भोजन अच्छा स्वादिष्ट तो बन गया लेकिन उसे परोसने में गलती की तो वह ना पसंद की वजह से व्यर्थ हो जाता है।

(vi) समय ⇒ आहार आयोजन करते समय समय का विशेष ध्यान रखें क्योंकि बच्चों को दिन में पांच से छः बार भोजन देना चाहिए और युवा को तीन से चार बार।

(26) उत्तर ⇒ बाल्यावस्था की पोषण संबंधी समस्याओं के निवारण हेतु हमें आहार आयोजन करते समय निम्न बिन्दुओं को ध्यान में रखना चाहिए

(i) बाल्यावस्था में बालक को हल्का भोजन कम मिर्च मसाले वाला देना चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ii) बाल्यावस्था मे बालक को उच्च प्रोटिन विटामिन आदि को भोजन मे देनी चाहिए।

(iii) बाल्यावस्था मे बालक को कैल्शियम की मात्रा भी अधिक देनी चाहिए जिससे बालक मे दांत उगने आदि मे समस्या पैदा नही होती है।

(iv) बाल्यावस्था बालक को कम वसा की मात्रा को शामिल करना चाहिए।

(vi) बाल्यावस्था मे बालक को समय समय पर भोजन करवाना चाहिए।

(vii) बाल्यावस्था मे बालक के भोजन मे विविधता लाकर उसे बनाकर खिलना चाहिए।

(viii) बाल्यावस्था बालक को फल-फूल को अलग-अलग तरह से काटकर खिलाना चाहिए ताकी उनकी खाने की रूची बढ़े।

(ix) बाल्यावस्था बालको को पैसे देकर विद्यालय कई बाहर नही भेजना चाहिए ताकी वह अनावश्यक चीजे खाए।

(27) उत्तर स्वरोजगार स्थापित करने के लाभ निम्न है -

(i) स्वरोजगार स्थापित करने पर व्यक्ति को बहुत से लाभ प्राप्त होता है जिसका उपयोग वह अपनी आवश्यकता के लिए करता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) स्वरोजगार स्थापित करने के लिए व्यक्ति ~~की~~ को ~~अन्तर~~ अन्तराष्ट्रीय आय मे वृद्धि होती है।

(iii) स्वरोजगार स्थापित करने पर व्यक्ति को कम पैसो की आवश्यकता पडती है।

(iv) स्वरोजगार स्थापित करने पर वह गरीबी से जल्दी ही मुक्ति पा सकता है।

(v) स्वरोजगार स्थापित करने के लिए उसे अधिक श्रमिक की आवश्यकता नही पडती है और वह अपने परिवार वालो की सहायता से आसानी से चलाया जा सकता है

(vi) स्वरोजगार द्वारा वह अधिक से अधिक निर्यात करके आय मे वृद्धि करता है।

(vii) स्वरोजगार स्थापित करने पर उसे अपना मूल स्थान नही छोडना पडता है।

(viii) स्वरोजगार के द्वारा व्यक्ति आर्थिक गरीबी को दूर करता है।

(ix) स्वरोजगार स्थापित करना मनुष्य की एक प्रकार की कला के ~~साथ~~ साथ साथ विज्ञान भी माना जाता है।

(x) स्वरोजगार के द्वारा व्यक्ति अपने जीवन मे विभिन्न बदलाव या परिवर्तन को देख सकता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(29)

उत्तर ⇒ दस्त ⇒

दस्त वह प्रक्रिया है जिसमें मल विसर्जन की प्रक्रिया तेज हो जाती है दस्त कहलाती है। अथवा आवश्यकता से अधिक बार मल तरल पदार्थ के रूप में निष्कासित होना दस्त कहलाती है।

* दस्त के प्रकार ⇒ (i) अल्पकालीन दस्त
(ii) दिर्घकालीन दस्त

(i) अल्पकालिन दस्त ⇒

यह वह प्रक्रिया होती है जिसमे मल विसर्जन की गती काफी अधिक होती है यह प्रक्रिया 12 से 24 घण्टे के लिए चलती रहती है। इस अवस्था में उसे ORS का घोल प्रत्येक मल विसर्जन पर देना चाहिए। इसकी मात्रा प्रत्येक मल विसर्जन पर एक गिलास देनी चाहिए। इसमे निर्जलीकरण की समस्या बनी रहती है

(ii) दिर्घकालिन दस्त ⇒

यह वह प्रक्रिया है जो लम्बे समय तक चलती रहती है इसकी अवधि अधिक होती है दिर्घकालिन दस्त में यदि ORS का घोल उपयुक्त माना

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

जाता है। इसमें पानी की काफी कमी आती है

* आहारिय प्रबन्ध ⇒ अल्पकालीन दस्त में हल्की हल्की मात्रा में भोजन देना चाहिए इसमें पोषक तत्वों की मात्रा समाहित होनी चाहिए अल्पकालीन दस्त में भोजन को थोड़ी-थोड़ी देर में ही देते रहना चाहिए इस अवस्था में अधिक ऊर्जा युक्त भोजन देना चाहिए।

दिर्घकालीन दस्त में व्यक्ति कमजोर व पोषनिक आवश्यकता बढ़ जाती है इस अवस्था में व्यक्ति को अधिक से अधिक मात्रा में पोषक तत्व देना चाहिए और दिर्घकालीन दस्त में पानी की समस्या हुनी होती है जो उसे ORS का घोल देना चाहिए और दिर्घकालीन अवस्था में अधिक प्रोटिन, विटामिन, ऊर्जा युक्त भोजन देना चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(30)
उत्तर ⇒ वस्त्रो का चयन करते समय निम्न बिन्दुओं का ध्यान रखेंगे –
(i) आय (ii) लेबल (iii) परिसज्जाएं
(iv) बन्धक (v) सरकाना (vi) इन्टलाक
(vii) लिंग (viii) आयु (ix) जलवायु

(i) आय ⇒ वस्त्रो के चयन मे आय अपनी मुख्य भूमिका निभाती है प्रत्येक व्यक्ति की अलग-अलग आय होती है किसी की कम है तो वह सस्ते वस्त्र खरीदेगा तो किसी की अधिक है तो अधिक महंगे खरीदेगा एक पुरानी कहावत भी है "सस्ता रोये बार-बार महंगा रोये एक बार" जरूरी नही है की महंगी वस्तु अधिक अच्छी हो।

(ii) लेबल ⇒ वस्त्रो का चयन करते समय लेबल का विशेष ध्यान रखना चाहिए लेबल को पढ़कर ध्यान मे रखकर कि वस्त्र का क्रय करना चाहिए लेबल पर वस्त्र की पूरी विशेष जानकारी छपी होती है। इसलिए लेबल का ध्यान रखना जरूरी है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(iii) परिसज्जाऐ ⇒ परिसज्जाओं का तात्पर्य वस्त्र पर लगी विशेष डिजाइन से है। परिसज्जाऐं अच्छी विशेष प्रकार की होनी चाहिए व्यक्ति को वस्त्र क्रय करते समय परिसज्जाओं को अच्छी प्रकार से जाँच या देख लेना चाहिए।

(iv) बन्धक ⇒ बन्धक से तात्पर्य उनसे है जो वस्त्र को आकर्षक तरीके से जोड़े रखता है जैसे, चैन, बटन आदि का विशेष ध्यान रखकर ही वस्त्र का क्रय करना चाहिए।

(v) ट्रायल कक्ष ⇒ वस्त्र को क्रय करते समय उसे ट्रायल कक्ष में पहनकर अवश्य देखना चाहिए ताकि वह अपने व्यक्तित्व के अनुरूप है या नहीं इसलिए ट्रायलकक्ष की विशेष भूमिका होती है।

(vi) इन्टरलॉक ⇒ वस्त्र क्रय करते समय सूती, या ऊनी वस्त्रों पर इन्टरलॉक को अवश्य जाँच कर लेनी चाहिए ताकि वह उधड़ न जाए इन्टरलॉक वस्त्र पर पर 1 या 1½ सेमी पार होनी चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(vii) लिंग ⇒ वस्त्रों के चयन में लिंग भी विशेष महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि लड़की व लड़के के लिए अलग अलग ड्रेस का होना चाहिए।

(viii) आयु ⇒ वस्त्रों का ~~चयन~~ चयन आयु के अनुसार करना चाहिए छोटे आयु के बच्चों के लिए छोटे कपड़े तथा बड़ी उम्र के व्यक्ति के लिए बड़े कपड़ों की आवश्यकता होती है।

(ix) जलवायु ⇒ जलवायु आपके भी वस्त्रों के चयन को प्रभावित करते हैं गर्मी में सूती वस्त्र का चयन तथा सर्दी में गर्म ऊनी वस्त्र का चयन करना चाहिए।

(18) उत्तर ⇒ गर्भावस्था में होने वाली पोषण संबंधी समस्याओं का समाधान हम निम्न तरीके से करेंगे —

(i) गर्भावस्था में एक बार की बजाए उसे हम थोड़ी-थोड़ी मात्रा में दिन में 5-6 बार भोजन करायेंगे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ii) गर्भावस्था मे रक्तअल्पता की समस्या भी बनी [redacted] रहती है जो हमे उसे हरी पत्तेदार सब्जीयाँ फल, अण्डा आदि का सेवन करवायेगे।

(iii) गर्भावस्था मे पैरो मे बाँयटे आते है कैल्शियम की कमी से होता है हम उसे अधिक मात्रा मे कैल्शियम युक्त पदार्थ का सेवन करवायेगे।

(20)
उत्तर ⇒ असुरक्षित जल पीने से निम्न रोग होते है
(i) हैजा
(ii) टाइफाइड

कारण ⇒ असुरक्षित जल पीने से हमारे शरीर मे निम्न जीवाणु प्रवेश कर जाते है जो हमे विभिन्न रोगो का शिकार कर सकते है इसके लिए शुद्ध जल पीना चाहिए। और ऐसे अनेक कारण है जिनके द्वारा व्यक्ति शिकार हो जाता है।

[redacted]

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर (24)

उपभोक्ता न्यायालय
मन्च पाली

प० सं० 20/4/13 Date 29/3/2019
विषय – शिकायत दर्ज कराने हेतु
मान्यवर,

आपका शुभचिन्तक
नाम –
पता –

शिपन. – 19

समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

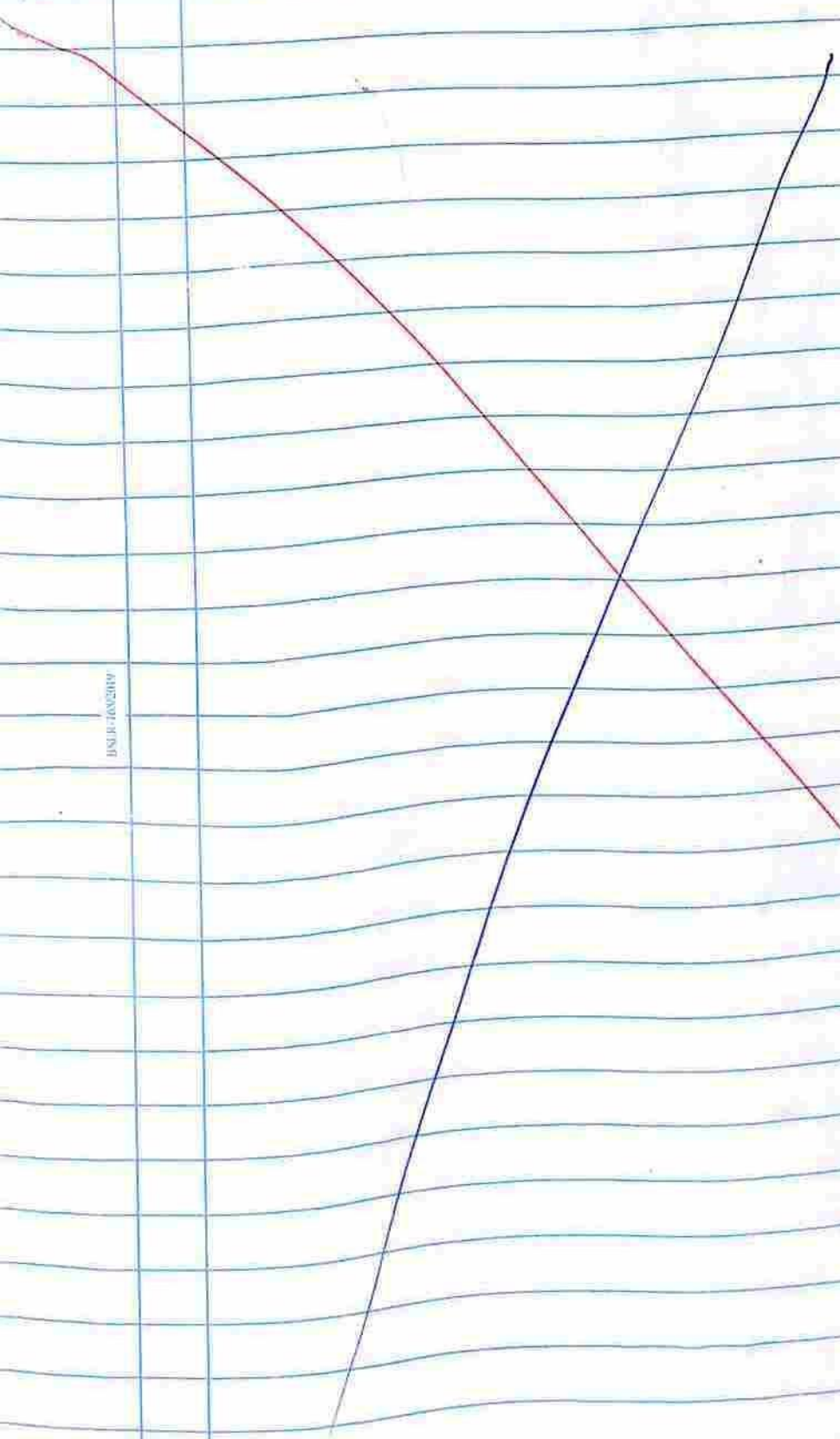

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

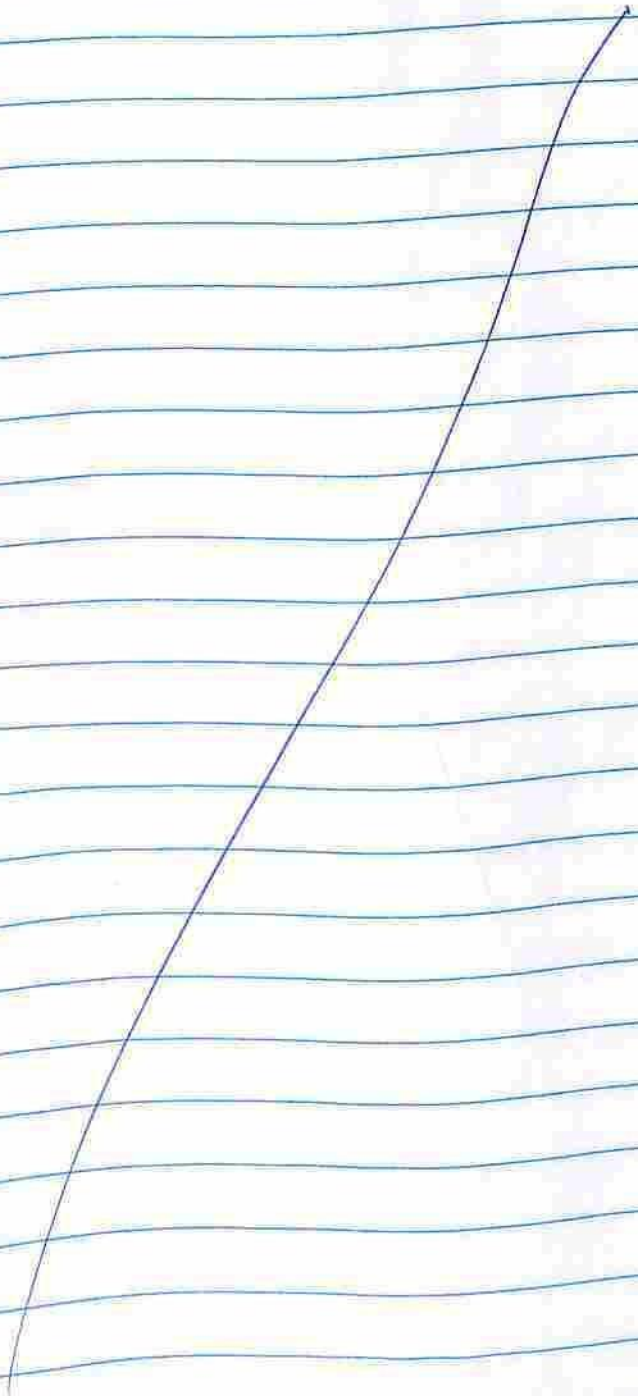

ISER-16/2019